प्रकाशित महान ज्योति

आज प्रातः मेरा विषय नये नियम से है। पहले मत्ती के दुसरे अध्याय के प्रथम पद से पढेंगे... 2रे अध्याय से, 1ले पद से आरंभ करते हुए। और फिर मैं 4थे अध्याय के 14 और 15 पद भी पढ़ना चाहूंगा, कि उसमें से आज का विषय चुनु। मुझे पवित्र वचन पढ़ना अच्छा लगता है, क्योंकि यह स्वयं परमेश्वर है।

> *हेरोदेस राजा के दिनों में जब यहूदियों के बेतलहम में यीशु का जन्म हुआ, तो देखो पूर्व से कई ज्योतिषी येरुशलेम में आकर,*
>
> *पूछने लगे यहूदियों का राजा जिसका जन्म हुआ कहां है? क्योंकि हमने पूर्व में उसका तारा देखा है, और उसे प्रणाम करने आए हैं।*

2 तब 4थे अध्याय और 14वें पद में, भविष्यवक्ता के विषय में बोल रहा हूं:

> *ताकि जो यशायाह भविष्यव्यक्ता के द्वारा कहा गया था वह पूरा हो, कि,*
>
> *जबूलून और नप्ताली के देश, झील के मार्ग से, यरदन के पार, अन्य जातियों का गलील;*
>
> *जो लोग अंधकार में बैठे थे उन्होंने बड़ी ज्योति देखी; और वे जो मृत्यु के देश और छाया में बैठे थे उन पर ज्योति चमकी।*

3 इसमें से मैं अपना विषय इस तरह से चुन रहा हूं... कि: *प्रकाशित महान ज्योति*। यह एक असाधारण लेख या वचन है।

4 और, इस समय के लिए, लोगों ने इस प्रकार के विषयों पर बहुत सा प्रचार किया है "जैसे की सराय में कोई जगह नहीं," बड़े दिन के अवसर पर, और "यूसुफ और मरियम," और—और "प्रभु यीशु का जन्म।" कल मैं सोच रहा था कि मैं इस विषय को भिन्न कोण से लूंगा, और वह उनसे भिन्न होगा जो आपने अपने रेडियो या दूरदर्शन पर सुने हैं।

5 और जब मैं ऐसा सोच रहा था, तब यह ज्योतिषियों और सितारे की बात, मेरे मस्तिष्क में आई। और मैंने सोचा, कि, मजूसियों को मसीह से

क्या लेना देना था? अंत:, कल देर रात तक जब तक मैं सोया नहीं, मैंने अध्ययन कक्ष में बैठकर पुराने पवित्र शास्त्र के विद्यार्थियों के लेख आदि पढे, ताकि उससे आज उससे आज के इस विषय पर कुछ प्रकाश पड़ सके।

6 फिर, इन बातों के बारे कहना असाधारण ही है, क्योंकि परमेश्वर असाधारण है। परमेश्वर असाधारण रीति से काम करता है, और कभी–कभी असाधारण समय पर असाधारण काम कर देता है, क्योंकि वह बहुत असाधारण है। और जो उसकी सेवा करते हैं वे भी असाधारण लोग होते हैं; बड़े अलग और अजीब होते हैं।

7 अंत: इस बड़े दिन के मौसम में, हम अपना ध्यान क्रिसमस पर जब लगाते हैं, तो यह बहुत बुरी बात लगती है कि हमें इसको एक लोक कथा "सांता क्लॉस," से जोड़ना पड़ता है, बजाये इसके कि हम देखे कि वास्तविक क्रिसमस क्या है क्या होना चाहिए। आज देश में बहुत से छोटे–छोटे बच्चे क्रिसमस को इसके अलावा दूसरे रूप में नहीं जानते कि क्रिसमस पर उन्हें "खिलौनों से भरी गाड़ी मिलेगी, और कोई रहस्यमयी बारहसिंघा घर पर दस्तक देगा," जब बाद में उन्हें सच्ची कथा या बात का पता चलता है; इससे उनके विश्वास को ठेस ही पहुँचती है, जब यह सच्ची क्रिसमस की कहानी को जान लेता है, और बारहसिंघा का, या इस मनुष्य से जो तम्बाकू का पाइप मुंह में दबाये, और अपने कोट में रोये चिपकाए उसका क्रिसमस से कुछ संबंध नहीं है।

8 यह हमारे आशीषित प्रभु यीशु का जन्म था। और यह अति असाधारण बात है कि परमेश्वर ने किस तरह से यह जन्म दिया, कि दुनिया के इतिहास में कभी ऐसा नहीं हुआ था, उस घटना को ठीक यीशु के जन्म के लिए ही घटना था। इसे ठीक इसी समय पर होना था। अब कुछ समय के लिए आइये अब यीशु या क्रिसमस संबंध में बातचीत करें।

9 यह वो समय था जब कातिल हेरोदेस गद्दी पर बैठा था, राजा था। इस ह्रदयहिन मनुष्य को ऐसे ही समय में राजा होना था, क्योंकि हम पवित्र शास्त्र के उस पवित्र लेख को जानते है जिसमें कहा गया है कि उसने "दो वर्ष तक के सभी बच्चों को मरवा डाला," और ऐसा उसने मसीह को पाने की कोशिश में किया। और ऐसा ठीक उसी समय होना था।

10 और फिर और उसी समय, कर देने के लिए नाम लिखाई होनी थी,

ताकि मरियम और युसूफ अपने पैत्रिक नगर येरुशलेम जा सके जहाँ उनके जन्म, और वहां के मंदिर और न्यायालय में दर्ज थे जहाँ उनसे कर लिया जा सके। और मसीह को बेतलेहम में ही जन्म लेना था, वे वहां से कितने ही मील दूर थे जब मसीह का जन्म हुआ।

11 और हम देखते हैं कि वहां तक पहुंचने में उन्हें कितने ही कष्टों से गुजरना पड़ा था। अब देखिए कि उनके पास साधन संपन्न एंबुलेंस रोगी वाहन नहीं था कि उसमें मरियम को ले जाते। और जैसा कि आज हम करते हैं, उनके पास न जाने का कोई बहाना नहीं था। यह राजा की आज्ञा थी। कोई बहाना नहीं चलेगा। यह आज्ञा पूरी करनी है। "राजा ने कहा है!" पत्नी की क्या हालत है, या इसको नहीं देखना है, उन्हें अपने घर लौटना ही है। उसमें मां बनने वाली स्त्री के लिए कोई आराम नहीं है जो छोटे बच्चों को जन्म देने जा रही है। सफर करने का कोई साधन नहीं है; या तो पैदल या फिर गधे की पीठ पर बैठकर जाना है।

12 और हमने पढ़ा है कि यूसुफ ने इस मरियम को जो किसी भी क्षण मां बनने की स्थिति में थी, और गधे की पीठ पर बैठा दिया। अगर किसी ने कभी गधे के ऊपर सवारी करी है, तो पता होगा कि वह सफर कितना कष्टपथ होता है। टेढ़े–मेढ़े, ख़राब उबड़–खाबड़, सडके पथ से, वह छोटा सा गधा पहाड़ों पर, नीचे यहुदियाँ से, ऊपर बेतलेहम की ओर आ रहा है, और ऊबड़–खाबड़ रास्ते से। क्या होता अगर उसे गधे का पैर फिसल जाता, और वह मां बनने वाली मरियम सहित गिर जाता?

13 या, फिर उन दिनों में काफी लोग अपने गृह नगरों को लौट रहे थे, पूरा देश यात्रियों से भरा था, जो अपने–अपने शहरों को लौट रहे थे, और यह समय डाकुओं के लिए बहुत उत्तम समय था। डाकू लोग इन थोड़े से लोगों को देख उन्हें लूट सकते थे; सवार, डाकू सवार होकर और उनकी हत्याएं करके सामान लेकर और भाग सकते थे। इस नौजवान दंपति के लिए यह कैसा भारी समय था, जिसका सामना उन्हें करना पड़ा था, और फिर क्या होता!

14 इसके अलावा, क्या होता यदि विनाशकारी जानवर, अगर शेर या उनमें के दुसरे जानवर सुनसान स्थानों में उन्हें फाड़ डालते, दिन में से होकर उन्हें गुजरना था। क्या होता यदि किसी जंगली जानवर ने इस जोड़ी को पकड़ लिया होता, एक छड़ी हाथ में लिए युसूफ क्या कर पाता या मरियम

क्या कर पाती, जिसके लिए हिलना–डूलना भी मुश्किल था? उन्हें इन सभी हालातों से दो–चार होना था।

15 मगर हमें इससे शांति मिलती है, कि हमारा भविष्य हमारे हाथों में नहीं। वरन परमेश्वर के पास है उसके हाथों में है। और उसने वैसा होने के लिए पहले से सारा कुछ तय किया है, तब उसकी योजना में कोई भी विध्न उत्पन्न नहीं कर सकता। हमारा पहुंचना निश्चित है।

16 वहां किसी तरह का भय नहीं था। जबकि मरियम और यूसुफ खुद साधारण लोग थे, और पढ़े–लिखे नहीं थे। और उनके पास उन बातों को जानने और समझने का कुछ साधन नहीं था, जो वचनानुसार उस समय घटित हो रही थी, और वचन को पूरा कर रही थी।

17 और आज भी ऐसा ही है। इन दिनों में आज हम रह रहे हैं परमेश्वर चल फिर रहा है, और बहुत सी बातें हो रही हैं, मगर हम में से अनेको इस बारे में कुछ नहीं जानते।

18 अभी यहां रिकॉर्डिंग रूम में एक युवती ने मुझसे पूछा था, कि हस्तलेख, व हवा में स्पुतनिक नामक विषय पर मैं कब वचन प्रचार करूंगा। "क्या अगले रविवार को? "

मैंने कहा, "मुझे नहीं मालूम।"

19 मगर, समय की इस निरंतर बढ़ती हुई काली परछाई में, परमेश्वर का महान हाथ सावधानी से आगे बढ़ा जा रहा है। कोई उसे रोक नहीं सकता।

20 आज हम यह देख सकते हैं कि वह छोटा सा गधा, और दोनों यात्री अंत में अपनी मंजिल पर पहुंच गए। वह रेगिस्तान से गुजरते हुए, वहां रात को पहुंचे, मौसम बहुत गर्म था! और हम यह कह सकते हैं कि वे बेतलेहम के पूर्व में उसे पहाड़ पर बैठ गए।

21 और बेथलेहम एक घाटी में है, और वहां छोटा सा पहाड़ है। और वो सड़क जो बेतलहम में आती है, पूर्व के छोर से घूमती हुई, वहां नगर में पहुंचती है। कोने के पास अंतिम मोड़ पर, जब आप पहाड़ी से नीचे उतरना शुरू करते है, तो वहां एक कटे हुए पत्थरों का एक ढेर पड़ा है। इतिहासकारों का यह कहना है कि मरियम और यूसुफ ने वहां रुककर सुस्ताया होगा इससे पहले कि वे वहां नगर में प्रवेश करते।

22 आइये हम यूसुफ को देखें, उसने सावधानी से अपनी छोटी दुल्हन को गधे की पीठ पर से, उतार कर और उसे चट्टान पर बिठा दिया है, उसने कहा, "प्रिये, हमारे नीचे वह नगर दिखाई दे रहा है, जहां शायद हमारा आने वाला यह नया मेहमान जन्म ले।"

23 मैं कल्पना कर सकता हूं जब आकाश में तारे तेजी से जगमग–जगमग कर रहे थे, वे वहां देख रहे थे, जब वे बैठकर उस पूर्वी भाग में स्थित... उस बेतलहम नगर को देख रहे थे। और जब वे वहां बैठे थे, और सितारों को आश्चर्यचकित होकर देख रहे थे; तब वहां से पूर्व में सैकड़ो मील दूर, एक और दृश्य उभर रहा था।

24 आप जानते हैं, कि परमेश्वर अपने भूमंडल में कार्य करता है। वह किसी एक देश में कुछ तैयार करता है, और उसको आकार देता है, कि वह दूसरे देश की स्थितियों में उपयुक्त ठहरे। यहाँ हम देखते है, जैसा की बहुत से इतिहासकारों ने बताया है कि उधर पूर्व में यह जो ज्योतिषी थे, जैसा कि हम उन्हें जानते हैं।

25 आज उन्हें कम या अधिक, "खगोलविद्या के जानने वाले," के रूप में गिना जाता है और उन्हें भविष्य बताने वाला नहीं माना जाता है; मगर ज्योतिषी की एक बनावटी शाखा है, जिसे भविष्य बताने वाला कहा जाता है। और लोग उसके पीछे भागते हैं, जो की सच्ची ज्योतिष विद्या की एक रद्दी या बेकार गलत विचारधारा है।

26 महान इतिहासकार हैम्पटन कहता है, कि यह... वे ज्योतिषी, मादी–फारसी मूल के थे। आइये हम थोड़ा उनके जीवन को देखे हम पाते है। और मादी–फारसी को हमारे प्रभु यीशु का सुसमाचार का कुछ ज्ञान तब मिला था जब वह बाबुल में थे। बहुत वर्ष पहले, राजा नबूकदनेस्सर के समय में, वहां ऐसे लोग थे खगोल–विद्या के नाई, जो सितारों और आकाश मंडल का अध्ययन करते थे। और वे चिन्हों तथा सितारों के चलने के आधार पर बहुत घटनाओं को बता दिया करते थे जो होने वाली होती थी।

27 पुराने समय के राजा ऐसे लोगों से विचार विमर्श किया करते थे होने वाली घटनाओं के बारे में, जो जगह लेने जा रहे थे। परमेश्वर जो कुछ करने वाला होता है उसे धरती पर करने से पहले आकाश के क्षितिज पर करता है। वह पहले उसे आकाश में लिख देता है।

28 वे तारे जो हम देखते हैं, और जो हमें आकाश में पांच कोने वाले से

दिखाई देते हैं, मगर वे एक दुनिया है जो हमारी धरती से कई गुना बड़े हैं, और सूर्य की रोशनी को प्रतिबिंबित करते हैं।

29 और ये लोग निश्चित रूप से सुसमाचार से परिचित हो गए, इस्राएल की बंधुआई के वर्षों में, सत्तर वर्ष कसदियों के देश में, और, निश्चय ही, दानिय्येल को मजूसी का प्रधान बनाया गया। वह नबी अपनी बड़ी समझ और बुद्धि के द्वारा होने वाली बातों को बता देता था और वहां वह जान जाता था कि परमेश्वर क्या करने जा रहा है, इसलिए उसे मजूसी पर हाकिम ठहराया गया था। अपने बाप दादों के द्वारा संजो कर रखे गये पवित्र लेख ज्योतिषियों के पास थे जिनका अध्ययन में किया करते थे। और दानिय्येल प्रभु के वचन को लिखा करता था।

30 अंत: हम समझते हैं कि उसे समय तक लोग जानने लगे थे और इस बारे में सभी एक मत थे, कि उन्होंने एक सच्चे परमेश्वर के ज्ञान और सामर्थ को देखा है, जो किसी भी ज्योतिष से कहीं बढ़कर था। यही बात राजा नबूकदनेस्सर... या बेलतशस्सर के यहां उस रात के उस जश्न में साबित हो चुकी थी, कि तब कोई भी कसदियों व्यक्ति या ज्योतिष दीवार पर अंकित उस लेख को नहीं पढ़ सका था। मगर जीवते परमेश्वर की सामर्थ, और पवित्र आत्मा के द्वारा दानिय्येल ने वह लेख पढ़ा और समझ लिया था। और इसीलिए दानिय्येल के द्वारा लिखित लेख पवित्र माने जाते थे, और आज भी माने जाते हैं।

31 अब पूरब के देशों में, उन्हें कुछ और पुकारा जाता था... मुझे भारतवर्ष में उनसे बातें करने का अवसर मिला था। उन्हें अब मुसलमान कहकर पुकारा जाता है। मगर वे वास्तव में मादी–फारसी थे। और वे भारतीय लोगों को... अशुद्ध लोग कहा करते थे। और मादी–फारसी वास्तव में मुसलमान है। और यही लोग मूल रूप में राजा नबूकदनेस्सर के संग थे। और उनके ज्ञानी लोग उन—उन प्राकृतिक विज्ञान का अध्ययन करने वाले थे, और उसी के द्वारा वो होने वाली आत्मिक बातों को पहले से बताया करते थे।

32 अंत: पिछले सैकड़ो वर्षों में दानियल की शिक्षा के लेखो आदि को, उन लोगों ने संभाल कर रखा हुआ था।

33 वे लोग क्या करते थे कि सांझ के शुरू होते ही अस्से [?] वह पहाड़ पर चले जाते थे। वहां ऊपर उनका एक किला होता था। और उस किले में ही ज्योतिषियों का भवन बना होता था। वहां पर वे फुजाद [?] नामक

एक पर्व मनाया करते थे। भोजन के बाद वह ऊपर छत पर पहुंच जाते थे, या जहां एक मीनार बनी होती थी, सूर्य छिपने के बाद इस मीनार से वे आकाश मंडल का अध्ययन किया करते थे। जैसा कि मुसलमान अक्सर करते हैं, वे सूर्य के सामने सिर झुकाकर, "अल्लाह! अल्लाह!" पुकारा करते थे। और कई दफा वे जल से खुद को जल से आशीष दिया करते थे, आज तक वे ऐसा ही करते हैं। अधिकतर, उनकी सबसे पवित्र चीज आग होती थी। वे ऐसा विश्वास करते थे कि सच्चा परमेश्वर आग में रहता है।

34 और यह जानकर कितना आश्चर्य होता है कि एक ही जीवित और सच्चा परमेश्वर ज्योति में रहता है, और वह भस्म कर देने वाली आग है।

35 किस तरह से वे लोग पवित्र आग जलाया करते थे! और वह आपको देखते रहते थे, क्योंकि उनका विश्वास था कि एक सच्चा परमेश्वर आग में रहता है, और वह स्वयं को उन पर प्रकट करता है। और उस—उस सूरज के छिपने के बाद आग बहुत तेज जलती दिखाई देती थी।

36 अंत: वे अपनी वेधशाला की मीनार पर चढ़कर, ऊपर आकाश को देखा करते थे। और वे इस विधा में निपुण थे। और वे उन आकाशीय तारों की प्रत्येक हरकत का मतलब समझते थे। वे बड़ी तत्परता से सितारों के हिलने ढूंढने को निहारा करते थे।

37 काश मसीही लोग केवल इतना ही कर सकते! सितारों को नही, वरन परमेश्वर के वचन को देखते रहे जो हम पर प्रकट होता जा रहा है। कितना अच्छा हो यदि हम आज इन बातों को ध्यान से देखें, जो परमेश्वर ने करने का वादा किया था और जिन पर हम बहादुरी के साथ स्थिर है। परमेश्वर ने इन्हीं बातों को करने की प्रतिज्ञा करी थी, जैसे की बीमारी को चंगा करना व महान आश्चर्य कर्म को दिखाना।

38 उसी दानिय्येल ने जिसने उन्हें आने वाली घटनाओं के बारे में बताया था, उसी ने यह कहा था, कि, "अंत के दिनों में वही लोग बड़े–बड़े काम करेंगे, जिन्होंने अपने परमेश्वर को भली प्रकार जाना था।" वचन पूरा होना जरूरी है। हम खोज करें तो ऐसा ही पाएंगे! आप ध्यान दें कि परमेश्वर स्वयं को उन पर ही प्रकट करता है, जो उसकी खोज करते और उसे देखने की चाह रखते हैं। "तुम मेरे निकट आओ, तो मैं तुम्हारे निकट आऊंगा," प्रभु ने यही कहा है। और कभी–कभी परमेश्वर ऐसी घटनाएं होने देता है कि हम उसके निकट आ सकें। क्योंकि परमेश्वर ने यकीनन कुछ घटनाओं के

घटित होने को ठहराया है, और वे उसके समय की महान घड़ी की टिक–टिक के संग नियत समय पर घटती है।

39 अब हम कहेंगे की जश्न के बाद, सूर्य छुपने के समय के आगे शिष झुकाने के बाद, हमारी वह जो ज्योतिषों की पार्टी उस मीनार पर चढ़ती है। जहां वह आकाश के तारो के समूह चमकना शुरू हो गये, तो पुराने ज्ञानी लोगों के पुराने हस्तलेख खोल दिए गए। और उसमें से देखकर उन्होंने कहा, कि अमुक–अमुक घटनाओं के होने की भविष्यवाणियां है। शायद, उनका विषय बड़े–बड़े राज्यों के गिरने और उनके पतन के बारे में था जिस पर लंबे समय तक बातचीत चलती रही, और ऐसी बातें होती रही, कि लोगों का सामाजिक स्तर पहले कैसे रहा था, और युद्ध, किसने धरती को रौंद कर और सेनाओं के लहू से उसे नहलाया था। जो आत्मिक मनुष्य होते हैं वे आत्मिक चीजों को समझते हैं; वे समझते हैं कि दूसरे समयों में क्या गलतियाँ रही, और कितने शर्मनाक काम हुए, वे समझते है कि पवित्र अग्नि हवा में ऊपर उठी और फिर गायब हो गयी, यानी एक जीभ परमेश्वर का प्रतीक बनी।

40 और जब लगभग मध्य रात्रि का दस या ग्यारह बजे का समय रहा होगा, और मेहमान वहां बैठे थे, शायद अपने भजन गा रहे होंगे या हो सकता है, वह प्रार्थना कर रहे हो। हमें नहीं मालूम कि वह क्या कर रहे थे, इतिहासकार इस बाबत कुछ नहीं बताते हैं। मगर, जो भी हो, वह एक आत्मिक मन स्थिति में होंगे, क्योंकि जहां एकमत होकर आत्मा में उपवासना होती है, परमेश्वर वहीं होता है।

41 आज सुबह परमेश्वर हमारे मध्य आएगा। वह इस प्यारी बिमार बच्ची को चंगा कर जीवन देगा, और आप में से बहुत हो कुछ चंगा करेगा जो कैंसर व अन्य रोगों से मरने वाले हैं, यदि हम उसके वचन और उसके साथ एक आत्मा में बन सके। ऐसा होगा तो परमेश्वर खुद को प्रकट करेगा। वह हमेशा ऐसा ही करता है।

42 इम्माऊस की राह पर उसके जी उठने के बाद, जब थियुफिलुस और उसके दोस्त ने उससे बातें करी, और पवित्र शास्त्र की चर्चा हुई, तो मसीह में छिपे परमेश्वर ने स्वयं को उन पर प्रकट कर दिया। तब इसी मार्ग पर लौटते समय उन दोनों ने कहा, "जब वह मार्ग में हमसे बातें करता था तब क्या हमारे हृदय में उत्तेजना उत्पन्न नहीं हुई थी? " ऐसा ही हुआ क्योंकि

उन्होंने वचन के बारे में कुछ बातें करी थी!

43 और वे ज्योतिषी अपनी पुराने पांडुलिपि का अध्ययन कर रहे थे, जो उनसे पहले जो ज्योतिषी ने लिखी थी। मैं इस समय उस पुस्तक के नाम का उच्चारण नहीं कर पाऊंगा जो उनका पवित्र शास्त्र था, वे उसे शायद जिदाको [?], या कुछ ऐसा ही पुकारते थे, जिनके हवालों को या संदर्भों को पढ़ते थे और पवित्र लोगों के लेख से उन्हें मिलाकर देखते थे। वे देख रहे थे कि उनके कितने ही पूर्वज मूर्ति पूजा करने लगे थे, और इससे उनके लोगों की निंदा व नाम धराई हुई थी, इसमें कोई संदेह नहीं कि उनके अपने सिर भी शर्म से झुके हुए थे। मगर, फिर भी, वहां जल रही पवित्र अग्नि, सत्य परमेश्वर की प्रतीक के रूप में जल रही थी।

44 फिर मैं देख रहा हूं, किले में से कोई एक जान हाथों में पुराने लेखो का बंडल लेकर आया। उसने उन्हें उन लोगों के सामने बिछा दिया जो उस वेधशाला की मीनार पर बैठे सितारों को देख रहे थे, कि वह किस प्रकार से ठीक–ठाक परमेश्वर के तय किये नियम पर स्थित है, और पिछली रातों की तरह सब कुछ सामान्य रीति से चल रहा था।

45 और वहां जब वे विगत राज्यों के पतन पर चर्चा कर रहे थे, तो उन्होंने दानिय्येल नबी के लेख का एक अंश पढा, जिसमें लिखा था, "फिर तूने क्या देखा कि एक पत्थर ने बिना किसी के खोदे, आप ही आप उखड़ कर, उस मूर्ति के पांव पर लगकर जो लोहे और मिट्टी के थे उनको चूर–चूर कर डाला और वे भूसे की तरह—तरह हवा में ऐसे उड़ गए। वह पत्थर जो मूर्ति पर लगा था वह बड़ा पहाड़ बनकर सारी पृथ्वी में फैल गया। और उसका राज्य अनंत काल का राज्य होगा।" इसे पढ़कर उनकी आशा ऐसे समय पर ठहर गई जब राज्य स्थिर बना रहेगा, और जब राज्य नाश न होगा, क्योंकि एक सच्चे और जीवित परमेश्वर का अनंत राज्य आ रहा है।

46 और जब उन्होंने ऐसा सोचा और वचन पर ध्यान दिया, तभी उनमें से किसी एक ने ऊपर आकाश में को देखा। और उनके बीच में एक अजनबी था। उन्होंने एक ऐसा प्रकाश देखा जो पहले कभी नहीं देखा था। वह शाही सितारा था, जो उसे समय तक ज्योतिष्यों की नजर में पहले कभी नहीं आया था। मगर इस समय वहां था। क्यों? क्योंकि पवित्र शास्त्र के लेख को पूरा होना था।

47 आप पूछेंगे, तब, "भाई ब्रंहम, क्या आप सोचते है कि परमेश्वर उन

ज्योतिषों से व्यवहार करेगा? ”

48 इब्रानियों 1ला अध्याय और 1ले पद में, पवित्र शास्त्र बताता है, कि, “पूर्व युग में परमेश्वर ने बाप दादों से थोड़ा–थोड़ा करके और भांति भांति से भविष्यव्यक्ताओं के द्वारा बातें करी, ” यानी सभी प्रकार से बातें करी।

49 प्रेरितों के काम नामक पुस्तक के अध्याय 10 पद 35 में लिखा है, कि, “परमेश्वर किसी का पक्ष नहीं लेता, वरन हर जाति में जो उससे डरता, और धर्म के काम करता है वह उसे भाता है।” चाहे आप गलती पर हो फिर भी, अपने हृदय की इस—इस मनसा की धार्मिकता से कि आप परमेश्वर की सेवा करना चाहते हैं, परमेश्वर इसका आदर करेगा। सो, इसलिए, संप्रदायों की कोई रेखा नहीं है जिसे वे निर्धारित कर सके, जो परमेश्वर को किसी भी निश्चित मत–सिद्धांत के लिए रोक देगा, क्योंकि परमेश्वर तो मानव हृदय के उद्देश्य को देखेगा, और वहीं से अपना काम शुरू करेगा।

50 हम पाते हैं कि यह मजूसी अपने मन में ईमानदार थे और एक सच्चे परमेश्वर को देखने की लालसा रखते थे, और वे उस भविष्यवाणी के पूरा होने की बाट जोह रहे थे, जिसमें कहा गया था कि, “प्रभु का एक ऐसा राज्य आने वाला है... जिसका कभी अंत न होगा। और वह अनंत काल तक बना रहने वाला राज्य होगा।”

51 यही वह समय था, जब वह सितारा जिसे हम आज भी सितारा कहकर पुकारते हैं, आकाश में दिखाई दिया। मैं कल्पना कर सकता हूं कि वह ज्योतिषी उस तारे को देखकर, आवाक रह गए होंगे जो सौरमंडल के नियमों के विरुद्ध प्रकट हुआ था वे उस अजीब तारे को देखकर चकित हुए, जो असंख्य तारों के बीच से निकलकर यह सूचित कर रहा था, कि कोई विलक्षण घटना घटने जा रही है।

52 मैं सोचता हूं कि इस जगह आप मेरे शब्दों की पंक्ति के मध्य में छिपे अर्थ को समझ लेंगे कि मेरा मतलब क्या है, आज परमेश्वर ने सारे प्राकृतिक नियमों के विरुद्ध खुद को हम पर प्रकट करके, यह प्रमाणित किया है, कि वह मुर्दों में से अपनी दिव्य देह सहित जी उठा था, और आज भी जीवित है। उसका चित्र जो यहां है वह सारी दुनिया के नास्तिकों के तर्कों को नाकार रहा है। और वह सदा काल तक जीवित है। यही प्रमाणित कर रहा है, परमेश्वर अपने ही असाधारण तरीके से अपने काम करता है।

53 लेकिन, उन लोगों ने आकाशीय और स्वर्गीय प्रकाश देखे थे, मगर यह ज्योति उन सभी से भिन्न थी।

54 आज हमने नामधारी गिरिजो के प्रकाश देखे हैं। हमने मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट पेंटीकोस्टल, प्रेसबिटेरियन के प्रकाशो को देखा है।

55 मगर उनके लिए जो उसकी बाट जोह रहे हैं यहां एक भिन्न प्रकार का प्रकाश चमकना शुरू हो गया है जो इसकी घोषणा कर रहा है। "वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" अपनी शानदार सुंदरता व सामर्थ से भरी एक स्वर्गीय दिव्य देह की सामर्थ पवित्र आत्मा के रूप में उसकी कलीसिया में आ गई है, इन अंतिम दिनों में कलीसिया के लिए, और वह बता रहा है कि उसके जी उठने की सामर्थ, और अनंत काल तक जीवित रहने की सामर्थ जो की अनंत ज्योति है वहीं अब उसी पर विश्वास करने वालों के बीच में है। ओह, कि यह जान लेना कितना अद्भुत है कि वह कैसे–कैसे काम करता है!

56 वे ज्योतिषी वे वहां गूंगे से अवाक् खड़े रह गए थे, एक दूसरे से बात नहीं कर सकता था, उस ज्योति की महिमा से वे गुम से खड़े रह गए थे।

57 ओह, ओह आज भी किस तरह से वैसा ही होता है, कि मेरे जर्जर मित्र जब कोई ऐसा मनुष्य उसके पास आता है जो उसकी सामर्थ को नहीं जानता, कि यीशु नई ज्योति वह नई आशा देता है, जब वह मनुष्य मसीह की दिव्य उपस्थिति में आता है, तो वह मसीह पर उसका विश्वास उसे मंत्र मुग्ध सा कर देता है। यह वैसा करना नहीं है कि आप वेदी पर जाकर सेवक से सीधे हाथ मिलाये, ना ही ऐसा है कि आप तालाब में जाकर बपतिस्मा लें, या कोई बर्तन में भरे जल से अपने पर छींटे मारे। यह तो एक ऐसे प्रकाश में चलना है जिसे आपने पहले कभी नहीं जाना। यह तो दिव्य विश्वास का लंगर है जो प्रत्येक उस बात के अस्तित्व को ही नाकार देता है जो परमेश्वर के वचन के विरुद्ध होता है। यह नया जीवन संचार करता है। यह मृत प्रायः व्यक्ति को जीवन देता है। और असहाय और दुर्बल जन को साहस देता है। वह बीमारों को चंगाई देता है। और जिसका कोई नहीं होता उसे संभालता है। उसकी उपस्थिति के प्रकाश में जाना कितना अद्भुत है! यह कोई मनगढ़ंत बात नहीं है। ना ही यह कुछ ऐसा है कि कोई अपने मन मस्तिष्क में इस तरह की विचारधारा बना ले। यह तो सीधे उस महिमामय महाराजा और जीविते परमेश्वर के अनंत प्रकाश में प्रवेश करना है।

58 जब कुछ ऐसा हो जाता है, कि उसे आप में एक नई आशा बंध जाती है, तब चाहे आप कितने भी अधिक बीमार हो, उसके बाद शैतान के लिए उस आशा के विरुद्ध कुछ भी कहना बेकार होता है। क्योंकि वह आशा हमेशा के लिए दृढ बांधी जाती है। कोई प्रभाव नहीं पड़ता चाहे शत्रु आपको गलत जीवन को जीने के लिए कितना भी उत्साहे, आप हमेशा के लिए विश्वास के लंगर से बांधे गए हैं, क्योंकि आप उसकी उपस्थित में चले जाते हैं, एक दिव्य प्रकाश में प्रवेश करते है जिससे आप अंदर से बदल जाते हैं और आनंद से भर जाते हैं आपके हृदय में उद्धार की घंटी बजने लगती है, जिसके बारे में दुनिया को कुछ भी खबर नहीं होती, कि आप मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुके। मृत्यु और उसकी परछाई आपसे दूर चली जाती है, और जब आप इस दिव्य प्रकाश में आ जाते है, तब एक नई सृष्टी बन जाते है।

59 वे ज्योतिषी उस प्रकाश को देखते ही मंत्र मुग्ध खड़े रह गए, अंत में मैं सुन सकता हूं कि एक ने दूसरे से कहा, "ओह, क्या यह एक अद्भुत चिन्ह नहीं है कि कुछ विशेष घटित होने वाला है!"

60 सच है, कि आज, जब हम प्रभु यीशु की दिव्य उपस्थिति में आते हैं, तो यह एक स्वर्गीय चिन्ह होता है कि कुछ विशेष होने जा रहा है; उसकी महिमामय दूसरी आमद निकट है।

61 और उन्होंने एक दूसरे की ओर देखा, और थोड़ी देर बाद... शायद सारी रात उस प्रकाश को देखते रहे। वह कैसा चमकदार था! और दूसरे सभी तारों से तेज चमक रहा था। ऐसा लगता है कि वह सितारे से अपनी नज़रें हटा ही नहीं पाए होंगे, कि दूसरे तारों को देख सकें।

62 और मुझे विश्वास है, कि अगर हम उस महान अनंत प्रकाश की ओर देखते रहे, जो हमारे सामने चमक रहा है, तो हम अपने नामधारी गिरजों को नहीं देखेंगे, और ना ही यह कहेंगे कि, "हम बैपटिस्ट हैं, या प्रेसबिटेरियन, या पेंटीकोस्टल है," या ये जो कुछ भी और है। हम बस उसे प्रकाश की ओर ही निहारते, और जीवित रहते हैं। वह अनंत प्रकाश की धाराएं हैं।

63 और मैं उसे देखते रहे, जब प्रातः को सूर्य उदय हुआ... दिन में वे लोग सोया करते थे। मैंने उन्हें भारत में देखा है कि किस प्रकार सडको के किनारे सिर से सिर जोड़े सोते रहते है; दिन में वे सोते हैं, और रात को सितारों की गतिविधियों का अध्ययन करते हैं।

64 जो परमेश्वर की बाट जोहते हैं वे ही उसे देखेंगे। उसकी आशीषो का आनंद वही लोग ले पाएंगे, जो उस पर विश्वास करेंगे, केवल वही। केवल वही चंगाई पाएंगे जो चंगाई पर विश्वास करते हैं। केवल वही उद्धार पाएंगे, जो उद्धार पाने पर विश्वास करते हैं। विश्वास करने वालों के लिए सब कुछ संभव है। मगर, वह मस्तिष्क के द्वारा सोची, लहू और मांस से समझी बात नहीं होनी चाहिए। वह तो सीधे परमेश्वर के द्वारा भेजे गए प्रकाशन से होता है, जैसा कि हम देखते हैं।

65 हम पाते हैं, कि रातों–रात एक के बाद दूसरी रात वह सितारों को पढ़ने चले आ रहे थे। उन्होंने आपस में विचार किया था। लेखो को पढ़ा, और उसमें खोजबीन करी थी। मैं कल्पना करता हूं, कि उनमें से एक कहता होगा, "यहां देखो यह एक और इब्रानी लेख है। उस उनके नबी जो बिलाम के नाम का है। और वह कहता है कि, 'याकूब के लिए एक तारा उदय होगा।'" और उन्होंने उस लेख को पूरा होते देख लिया था। ओह, उनके हृदय कितने अधिक आनंदित होंगे!

66 और यह देखकर हमारे हृदयों को कितना आनंदित होना चाहिए, कि आज के दिन बुरे दिनों में जिन में हम रह रहे हैं, हम परमेश्वर के पवित्र लेखकों को पूरा होता देखे वह अपने ऊपर पडते उसके महान खोजी प्रकाश को देखें।

67 तब जब कि वे उसे देख रहे थे, आश्चर्य जनक रूप से एक रात वह सितारा चलने लगा। और हम सर्वदा प्रकाश के संग चलते हैं। और वह प्रकाश पश्चिम की ओर खिसकने लगा। शीघ्रता से उन्होंने अपने ऊंट को तैयार किया अपना सामान आदि उसी पर रखा। और भेंट भी रख ली। और मैं देख सकता हूं जब वे उस प्रकाश के पीछे चले, तो वह जान गए थे कि यह स्वर्गीय प्रकाश है। और यह किसी महान ज्योति को प्रतिबिंबित कर रहा है।

68 मित्रों, वैसा ही आज है, जब हम चमकते तारे को देखते हैं तो हम जानते हैं कि वह सूर्य के प्रकाश का प्रतिबिंब है। हम चांद को चमकते देखकर यह जान जाते हैं, कि यह एक बड़े प्रकाश का प्रतिबिंब है।

69 जब हम कलीसिया को चमकते देखते हैं, तो जान जाते हैं कि एक महान अविनाशी में अनंत कालीन प्रकाश का प्रतिबिंब है। मगर जब हम स्वयं को अंधकार में धकेलते हैं, और अपने मन और विश्वास को परे

हटाकर, यूं कहते हैं कि, "आश्चर्य कर्म करने के दिन तो बीत गए, अब ऐसा कुछ नहीं होता," तो मानो हम परमेश्वर के अनंत प्रकाश से अपनी पीठ फेर रहे होते हैं।

70 मैं देख सकता हूं कि वे चलते रहे, और पहाड़ों से गुजर कर पश्चिमी ढलान पर उतर गए। वे उस ढलान पर चलते हुए टिगरिस नदी तक पहुंच गए, और वे उस विशाल टिगरिस नदी के किनारे–किनारे नीचे की ओर चलते हुए बाबुल तक पहुंचे, फरात नदी की झील से पार हुए, और फिलिस्तीन देश में से गुजरते रहे। आनंद मनाते! वे रात में सफर करते थे क्योंकि रात को मौसम ठंडा होता है, और रेगिस्तानी इलाकों से गुजरना आसान बन जाता है। एक बात और थी, कि उन्हें उसे प्रकाश के पीछे चलना था, जो रात को साफ चमकता था। वही प्रकाश उनका मार्गदर्शक था।

71 और चलते–चलते अंत में भी येरूशलेम पहुंच गए। मगर, जब वह प्रकाश येरूशलेम तक पहुंचा, तो गायब हो गया। जब वे येरूशलेम पहुंच गये, तो प्रकाश सहसा गायब हो गया, क्योंकि अब उनकी बारी थी कि वह स्वयं अपना प्रकाश बने।

72 उस महानगर की धूर्त सड़कों से वे गुजरे उस येरूशलेम में वे थे, जो दुनिया की पुरातन राजधानी में से होते हुए, उसके सरिका था, येरुशलम; वहां कभी महान मल्किसिदिक हुआ था, जिसके बारे में बड़े–बड़े प्राचीन भविष्यव्यक्ताओं और लेखाकारों ने लिखा था। मगर इस समय वहां पर फैली बुराई, गंदगी, दुनियायी रीतियाँ, अधनंगी, व परमेश्वर रहित जीवन शैली से सुसमाचार का प्रकाश उस नगर को छोड़कर जा चुका था।

73 और यहूदियों के उस नगर में, अन्यजातियों के लोग पुकार रहे थे, "यहूदियों का उत्पन्न होने वाला राजा कहां है? क्योंकि हमने पूर्व में उसका तारा देखा है और उसे दंडवत करने आए हैं।" यह आज की कितनी चौंकाने वाली बात है, जब हम इन बातों को देखते और इन पर विचार करते हैं, तो एक करुणा करने वाले स्वर्गीय पिता हमें कितना अजीब लगता है! यहूदी लोग इस तरह से सो रहे थे, कि पूर्व से दूर के देश से सफर करके अन्यजातियों के वे ज्योतिषी, यहूदियों के राजा को ढूंढते हुए वहां तक पहुंच गए थे, मगर उन्हें कुछ भी पता न था।

74 आज परमेश्वर ने ऐसे लड़के, लड़कियों को चुना है, जो पढ़े–लिखे नहीं है और बस शुरू की दो–चार कक्षाएं पढ़े हैं, उन्हें पवित्र आत्मा की

सामर्थ में उठाकर खड़ा किया गया है, और वे इन नामधारी गिरजो के कानो में चिल्ला रहे हैं कि, "यीशु अपनी महान सामर्थ में यहां है कि वह स्वयं को लोगों को प्रकट करें," मगर इन नामधारी गिरजों को कुछ भी पता नहीं है।

75 वे मजूसी उसे दंडवत करने पहुंचे थे। वे राजाओं के राजा को आदर मान देने पहुंचे थे। और नामधारी गिरजे, अपने संस्थागत स्वरूप में सो रहे हैं, और इस बारे में कुछ नहीं जानते। वे तो अजनबी बने हैं। कैसी अजीब बात है कि यह ज्योतिषी जो अन्य जातियों के पशु वृति वाले मनुष्य हैं, जो अपने चित्र में वस्त्र पहने ढीले–ढाले वस्त्रो में फुंदने लटकाए वहां खड़े हैं। जैसा कि कभी फिलीन ने कहा है, कि, "वे मजूसी खुद राजा तो ना थे, मगर वह—वह इतने महान जरूर थे कि वह महाराजा के सम्माननीय अतिथि थे।" और वही ज्योतिषी, अपने देश के शाही पशु की पीठ पर बैठे सड़कों पर, पूछते फिर रहे थे, "यहूदियों का राजा जो पैदा हुआ वह कहां है?" पवित्र शास्त्र बताता है कि, "सारा येरुशलेम और हेरोदेस राजा तक सभी परेशानी में पड़ गये थे।" उनकी गवाही ने सभी को हिला कर रख दिया था।

76 क्या आज यह बहुत बुरी बात नहीं है कि नामधारी गिरजे अपनी धर्म स्कूल की मुर्खताओ को छोडकर, जीविते मसीह की सामर्थ, और उसकी महिमा को नहीं देख रहे है; और आज दुनिया में अनपढ़, अशिक्षित सभी गिरजो में से निकले लोगों के द्वारा जीवन आंदोलन सा दुनिया में धूम मचा रहा है? आकर और जीवते परमेश्वर की महिमा को देखो। पवित्र आत्मा वैसे ही उड़ेला जा रहा है जैसा शुरू में उड़ेला गया था। पवित्र वचन को तो पूरा होना है, और यही अंत समय है।

77 और सड़कों से गुजरते हुए इन ज्योतिषियों ने, राजा से लेकर कुम्हार तक को इस सुसमाचार से हिला कर रख दिया कि, "वह राजा कहां है? वह राजा कहां है?" उन लोगों के पास उसका कोई जवाब नहीं था।

78 और आज जब स्पुतनिक का आकाश में घूम रहे हैं, जब सब कुछ भस्म हो जाने के चिन्ह प्रकट हुए है; कि अंत एकदम निकट है जब पुरुष और स्त्री पापों में उलझे हैं, वह अधार्मिक जीवन जी रहे हैं जब लोग पूछते हैं कि, "यह क्या हो रहा है?" गिरजो के पास कोई उत्तर नहीं है। गहरी नींद में सो रहे हैं।

79 मगर पवित्र आत्मा जो परमेश्वर का अविनाशी और अनंत प्रकाश है,

वह उन लोगों पर चमकता है जो उसे ग्रहण कर सकते हैं, और जो उसे ग्रहण करेंगे।

80 वह प्रकाश गायब हो चुका था। वे अपनी गवाही दे रहे थे। और अंत में वहां के उन्होंने सभासदों की एकसाथ, एक सभा बुलवाई। और पुराने पवित्र नबीयों के लेख और ज्ञानियों के लेखों को खोला गया, तब एक छोटे से नबी की भविष्यवाणी उन्हें मिली, उसका नाम मीका था। और उन लोगों ने राजा से कहा, "कि ऐसा लिखा है कि, 'हे बेतलहम, तू जो यहूदी के देश में है तू किसी रीति से यहूदी के अधिकारियों में सबसे छोटा नहीं? क्योंकि तुझ में से एक अधिपति निकलेगा, जो मेरी प्रजा इस्राएल की रखवाली करेगा।' अंत:, ये यहूदियों के राजा मसीह का जन्म बेतलहम में ही होना चाहिए।"

81 तो, वहां कोई उन मजूसियों को यह बतलाने वाला नहीं था कि बेतलहम कैसे जाएं। मगर जैसे ही वे उसे अंधेरी नगरी को छोड़कर, उसके फाटकों से बाहर आए, तो वही प्रकाश फिर से उनके सामने आ गया। वहीं सितारा फिर से दिखाई दिया। और पवित्र शास्त्र बताता है कि, "उस तारे को देखकर वे अति आनंदित हुए।" उन्होंने जरूर थोड़ा जय जयकार किया होगा। वे अत्यंत आनंदित हो गये थे। वे आत्म विभोर हो चुके थे। वे... तारा फिर से उनका मार्गदर्शक बनकर उन्हें उनकी मंजिल तक पहुंचाने आ गया था।

82 वे उसे तारे के पीछे–पीछे चले। अब उन्होंने देखा कि वह तारा पहले से कुछ नहीं निचाई पर आ गया था। अब ये कुछ निकट आ गया था। और अंत में... जब वे रात भर उसी के संग आनंद मनाते परमेश्वर की प्रशंसा करते चलते रहे, परमेश्वर की अगुवाही के द्वारा। मगर अंत में वह सितारा रुक गया, और जहां वह रुका वह एक छोटी सी जगह थी, एक गुफा थी जो पहाड़ी के सिरे पर थी, और वह तारा इस गुफा के ऊपर ठहर गया। और यह मजूसी अपने एक साल छह महीने के सफर भर सड़क पर चलते, निरंतर एक उसी तारे को देखते रहे, और उन्होंने कुछ नहीं देखा सिवाय उस तारे के निर्देश के। जब वह तारा ठहर गया, तो वह अंदर गए और वहां उन्होंने उसे बालक को, युसूफ और मरियम को पाया। और उन्होंने अपनी झोली में से उपहार निकाल लिए। और उन्होंने उसे सोना, मूर और लोबान चढ़ाया।

अगर हमारे पास समय है! तो हम यहां थोड़ा सा रुक जाएं।

83 सोना किस बात का प्रतीक है? इसका कि वो राजा था। उसे राजा बनाया नहीं जाना था; वह जन्म से राजा था। वह परमेश्वर का अनंत राजा था। वह एक राजा था, अंत: उन्होंने उसे सोना चढ़ाया।

84 और उन्होंने उसे लोबान चढ़ाया। यह एक बहुमूल्य सुगंधित पदार्थ होता है, सबसे बढ़िया लोबान, जो उपलब्ध था वहीं उन्होंने चढ़ाया। लोबान किस बात का प्रतीक है, सुगंध? सुगंध है, यीशु परमेश्वर को भाने वाली सुगंध था, क्योंकि उसने बीमारी को चंगा किया वह अच्छे भले काम किये। सोना, क्योंकि वह एक राजा था। लोबान, इसलिए चढ़ाया क्योंकि वह परमेश्वर को अच्छी लगने वाली एक सुगंध था। उसके जीवन से परमेश्वर इस कदर प्रसन्न हुआ, कि उसने यीशु के अंदर अपनी सारी पवित्रता और सुंदरता भर दी, और उसकी पवित्रता यीशु के द्वारा जाहिर हुई प्रतिबिंबित हुई।

85 ओह, ओह काश हम परमेश्वर को भाने वाली सुगंध बन सके, यदि परमेश्वर की पवित्रता हम में प्रतिबिम्ब हो सके; काश हम अपने जीवन से यीशु की तरह नासरत के यीशु के जीवन की तरह अच्छे भले काम करें, जब तक कि यह प्रभु के लिए एक सुगन्धित सुगन्ध न हो जाए।

86 मगर हम उपहास करते, संदेह करते, तर्क करते है, यही कारण है कि यह सब परमेश्वर के नथनों में बदबू की तरह बन जाता है। हमारा जीवन अब भी उन पुरानी धाराओ में चला रहा है जहाँ नहीं चलना चाहिए। हम ऐसी बातें कहते है जो हमें नहीं करनी चाहिए। हम ऐसे काम करते है जो हमें नहीं करने चाहिए। हम बड़े भयंकर क्षणों में हंगामा करते हैं, और मसीह का इनकार करके दुनिया का पक्ष लेते हैं। यही कारण है कि हम उसके लिए मनभावने गंध नहीं बन पाए।

मगर, यीशु ऐसी ही सुगंध था, और उन ज्योतिषों ने उसे लोबान भेंट किया।

87 अब देखें कि उन्होंने उसे मूर भी दिया। हर कोई जानता है कि मूर एक बहुमूल्य मगर कड़वी जड़ी बूटी होती है। मूर, मूर इस बात को दर्शाता है? यह महान सर्वोत्तम बलिदान का प्रतीक है। उसका जवान जीवन सलीब पर मारा कुटा गया, जहां दुनिया के पापों ने उसे चूर–चूर कर दिया था। सोना, इसलिए दिया, क्योंकि वो राजा था, लोबान उसके प्यारे जीवन का प्रतीक था। और मूर, इसलिए कि उसने पापियों के लिए अपनी जान बलिदान करी। "वह हमारे ही अपराधों के लिए घात किया गया, और हमारे ही धर्म

के कामों के लिए कुचला गया। हमारी ही शांति के लिए वह सताया गया, कि उसके कोड़े खाने से हम चंगे किए जाएं।" यही कारण था कि उन्होंने उसे मूर भेंट किया।

88 परमेश्वर से स्वप्न में चेतावनी पाकर, वे दूसरे मार्ग से लौट कर चले गए। वे वापस लौट कर नहीं आए, उनका—उनका सफर और उद्देश्य पूरा हो गया था। सितारे का मार्ग तय हो चुका था उसका काम पूरा हो गया था।

89 मित्रों, आज तारे से हम क्या मतलब समझते हैं? दानिय्येल 12:3 में, हमें इसका उत्तर मिलता है। वहां कहा गया है, "वे जो बुद्धिमान हैं और अपने परमेश्वर को जानते हैं उनकी चमक आकाश मंडल की सी होगी; और जो बहुतों को धर्मी बनाते हैं वह सर्वदा तारों की नाई प्रकाशमान रहेंगे।"

90 अब आज हम क्या हैं? हम तारे हैं। हर एक नया जन्म प्राप्त मसीही जन प्रभु यीशु मसीह की गवाही है, एक सितारा है जिसके द्वारा प्रभु यीशु की सामर्थ और पवित्रता प्रतिबिंबित होती है; ताकि उसमें यीशु का जीवन प्रतिबिंबित हो; और उसकी सिद्धता उसके वचन के द्वारा प्रतिबिंबित हो, उसकी चंगाई की सिद्धता की सामर्थ प्रकट हो, और उसके जी उठने को सिद्ध किया जा सके; और उसी तरह से हम हर बात में मसीह को प्रतिबिंबित कर सके जिस प्रकार उसने परमेश्वर पिता को प्रकट किया था। हम तारे हैं।

91 देखिए! यह आपको किस प्रकार का सितारा होना चाहिए? यह सितारा अपनी स्वयं की सामर्थ से प्रकाशित नहीं था। वरन यह सर्वशक्तिमान परमेश्वर की स्वर्गीय सामर्थ के निर्देशन में काम कर रहा था। और अगर हमें पापियों को मसीह की ओर प्रतिबिंब करते है, तो हमारे लिए पवित्र आत्मा का निर्देशन जरुरी है। रोमियो 8:1 कहता है, कि, "सो जो अब मसीह में है उन पर दंड की आज्ञा नहीं, क्योंकि वह शरीर के अनुसार नहीं वरन आत्मा के चलाये चलते हैं।" अगर हम सितारे बनने जा रहे हैं, यदि हम मसीह के प्रकाश को प्रतिबिंबित करना चाहते हैं, यदि हम पापियों को उसके पास लाना चाहते हैं, तो हमें पवित्र आत्मा के नियंत्रण व मार्गदर्शन में चलना जरूरी है। ठीक है!

92 हमें साधारण बनकर नहीं। बल्कि असाधारण बनकर रहना जरूरी है। हम आम आदमी बनकर नहीं चल सकते, क्योंकि परमेश्वर के लोग कुछ विशेष तरह के होते हैं। विगत समयों और कालों से वे ऐसे ही रहे हैं।

93 हालांकि वह सितारा अजीब था, मगर तेज प्रकाश दे रहा था। मैं दुनियायी शिक्षा में दुनियायी मामलों में चमकदार और बेहतरीन नहीं था, वरन प्रभु की दृष्टि में एक सर्वोच्च बलिदान के रूप में चमकदार और बेहतरीन था। जैसा ज्योतिषियों ने किया था, हम राजाओं के राजा के सामने दंडवत करते हैं कि उसका प्रकाश हम में से सभी पर चमके।

94 आप एक सितारा है। प्रत्येक मसीही एक तारा है, जो खोये हुओं के लिए मार्गदर्शक है, जो थके हारे पथिक को राह दिखाने वाला है, जो यीशु को खोज रहे हैं। उनको सहायता करने वाला है और फिर सितारा स्वयं अपने आप नहीं चमकता, उसे पवित्र आत्मा के द्वारा ही नियंत्रित होना जरूरी है। उसे अपने जीवन में परमेश्वर की शानदार ज्योति को प्रतिबिंबित करना चाहिए, उसे दुनिया की चीजों से अलग रहकर, अपने वर्तमान जीवन को धार्मिकता व गंभीरता सहित बिताना चाहिए। उसके द्वारा उसे एक महान चमकते प्रकाश को प्रतिबिंबित होना जरूरी है।

95 फिर हमें क्या करना है? हमें उठ खड़े होकर नित प्रायः लोगों के लिए परमेश्वर के प्रकाश को चमकाना है। दुनिया के इस गहरे अंधकार में हमें प्रभु यीशु मसीह की सामर्थ व उपस्थित को चमकाना है प्रकट करना है तथा उसके जी उठने की सामर्थ्य को दर्शाना है। जैसा वो कल था, वैसा ही आज भी वो परमेश्वर को प्रतिबिंबित कर रहा है।

96 मगर याद रखिए, कि सितारा फिर दोबारा एक बार उसका काम पूरा हो जाने के बाद, अपने को कोई आदर सम्मान नहीं देता। सितारा केवल उन मनुष्यों को उनकी मंजिल तक लाया था, और उसने उन्हें वह सिद्ध ज्योति दिखाई थी।

97 और मित्रों, आज रात हम जितने यहां हैं, सब मसीह की देह के हिस्से हैं, परमेश्वर की ज्योतियां है, मगर इसमें हमारा कुछ सम्मान नहीं है। जब हमारे पास हमारा—हमारा धैर्य है, और हमारा—हमारा... वह व्यक्ति जिसकी हम अगुवाई कर रहे हैं; तो हमें अपने को भूल और नकार कर, उन्हें उस महान ज्योति प्रभु यीशु मसीह के पास लाना चाहिए "जो सिद्ध ज्योति है जो चमकती है, और जगत में आने वाले हर एक मनुष्य पर चमकती है," प्रभु यीशु मसीह। यह कपोल कल्पना नहीं है, जैसे सांता क्लास की कथा या नामधारी की कोई बात हो; मगर यह यीशु मसीह है, जो जीवते परमेश्वर का पुत्र, और सत्य सिद्ध ज्योति है।

आइए हम प्रार्थना करें।

98 हम अपने सिरों को इस मिट्टी की ओर झुकाए है जहां से परमेश्वर ने हमें उठाया था; किसी दिन, आपका फिर से मिट्टी में मिल जाना उतना ही तय है, जितना रातों को सितारों का चमकना, वह दिन को सूर्य का चमकना। क्रिसमस की पूर्व संध्या के समय आप यहां है, और अगर आप इच्छुक हैं कि पवित्र आत्मा आपको उद्धारकर्ता तक लेकर जाए, और यदि उसे आप अपना मुक्तिदाता ग्रहण करना चाहते हैं, तो अपने हाथ प्रभु की ओर उठाकर कहें कि, "परमेश्वर, मुझ पर दया कर। नित्य प्रति मेरे पथ को चमकता चल। और अंत में मुझे उस ज्योति के पास पहुंचा दे, ताकि मेरा जीवन उसके जीवन से मिल जाए और मुझे अविनाशी अनंत प्रकाश प्राप्त हो सके।"

99 मेरी प्यारी बहन, प्रभु आपको आशीष दे; और आपको भी, बहन और मेरे भाई; आपको भी प्रभु आशीष दे; वहां पीछे की ओर; मेरे भाई आपको बहन। परमेश्वर आपके उठे हाथों को देख रहा है। ओह, बहन, प्रभु आपको देख रहा है। जी हां, महिला, इधर प्रभु यकीनन आपको देख रहा है।

100 "हे यीशु, आज प्रातः अपना पवित्र आत्मा भेज दे, और मेरे गलत जीवन को सुधार दे। मैं इधर–उधर दौड़कर गिरजों में जाता रहा हूं; मैं कैथोलिक था, फिर में बैपटिस्ट था, फिर मैं प्रेसबिटेरियन रहा। और फिर पेंटीकोस्टल गिरजे में रहा। मैं सब तरफ घूम चूका हूं। प्रभु, मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं, मैं—मैं बस सोचता हूं; कि मुझे नहीं मालूम कि मैं आज कहां खड़ा हूं। मगर अब होने दे प्रभु कि वो स्वर्गीय देह वो भोर का तारा, जो परमेश्वर का महान आत्मा है, वह मुझे उसमें लेकर जाए जहां मुझे मेरे स्थान पर होना चाहिए, जहां मुझे मेरे ह्रदय की चरनी में उसे झुला सकूं; ताकि वह मुझे काले सायों मृत्यु की काली छाया में से, मृत्यु की घाटियों में से लेकर चले, और मुझे कोई भय ना लगे जब मैं जीवन के उस मार्ग पर पहुंचूं।"

101 समाप्त करने से पूर्व क्या कोई और हाथ उठायेगा? श्रीमान, आपको आशीष दे; आपको, श्रीमान; और आपको, श्रीमान। जी हां पुरुषों के लिए यह महान समय है, श्रीमान। और अवसरों पर महिलायें अधिकतर प्रभु को ग्रहण करती हैं; इस बार पुरुषों ने अधिक संख्या में हाथ उठाये है। वास्तव में ये सभी वे बुद्धिमान पुरुष थे, जो उस प्रकाश के पीछे–पीछे, खोजते चले

आये है। परमेश्वर आपको चाहता है। छोटी मार–...

102 छोटी मरियम और युसूफ जब उस नगर में पहुंचे, तब यीशु का जन्म हुआ था। वे ज्योतिषी काफी दूर से, काफी समय लगाकर अपना सफर पूरा करके आए थे, मगर सितारे ने उनको राह दिखाई और अंत में, वे अपने मंजिल पर पहुंच गए थे। अब देखिए कि आप भी बहुत ही समय से एक मसीही बनना चाहते थे, हो सकता है आपने जीवन का काफी सफर तय किया हो। मगर आज प्रातः आपका लक्ष्य पूरा हो गया है, हो सकता है, और आप उसे अपना मुक्तिदाता ग्रहण करे जबकि आप हृदय के हिंडोले में उसे रखेंगे। वेदी की पुकार को समाप्त करने से पहले एक बात और कहना चाहता हूं? प्रभु आपको आशीष दे। बहुत अच्छे। धन्यवाद।

103 अब कितने लोग यहाँ पर यूं कहेंगे, "हे प्रभु, मुझे पवित्र शास्त्र के वचनों से ये पता चला है, और वचन कभी टलेगा नहीं, कि मूर जो भेंट चढ़ाया गया, ये इस बात का प्रतीक है, कि तेरा जीवन उड़ेला गया है। 'हमारे पापों के लिए ही तू घात किया गया, और तेरे कोड़े खाने के कारण हम चंगे किए गए हैं।' तूने कोड़ो की मार को सहा और तेरे कोडे के जख्म हमें चंगाई दे सके। और प्रभु, आज मुझे तेरी चंगा करने वाली सामर्थ की आवश्यकता है। तू मेरे जीवन से सारा संदेह और अविश्वास दूर कर दे? इसे मुझसे दूर कर दे, कि फिर मैं कभी संदेह न कर सकूं। और होने दे कि मैं नम्रता पूर्व तेरे पास अभी आ सकूं, और अपनी चंगाई के लिए तुझ पर विश्वास करूं।"

104 आप जो बीमार है, कृपया हाथ उठायेंगे? मेरे प्रिय मित्र, परमेश्वर आपकी विनती स्वीकार करता है।

105 क्या आप उस पर संदेह कर सकते हैं? यकीनन नहीं। वो आज ईस्टर पुत्र... उस—उस क्रिसमस पुत्र के रूप में यहाँ उपस्थित है, परमेश्वर के पुत्र के रूप में यहाँ है, और सब कुछ करने में सामर्थी है। वह सारी आवश्यकताओं को पूरा करता है। वह आपकी सारी जरूरतों को पूरा करता है। बस आप उसे ग्रहण करिए। पवित्र शास्त्र में हमें क्या करने के लिए कहा गया है? "यही कि बीमारों पर हाथ रखो वे चंगे हो जाएंगे।"

106 अब, हे स्वर्गीय पिता, लोगों के छोटे झुंड को मैं आपके पास लाया हूं आज सुबह सितारे के सुसमाचार को सुनने के लिए आपके द्वारा भेजे गए। आप इनमें से सभी के साथ बातें करिए चाहे वह किसी भी तरह का जीवन जी रहा हो! आप इनमें से शराब बेचने वालो के साथ बातें करते हैं। और

शराबी के साथ बातें करिए। आप वैज्ञानिकों के साथ बातें करते हैं। और घरेलू महिलाओं के साथ बातें करिए। आप सेवकों को देखिए। आप गिरजो के सदस्यों को देखिए। आप तो परमेश्वर है। और इतने अधिक महान है कि आपकी दृष्टि से कोई भी बच नहीं सकता। आप उन लोगों पर करुणा करिए, जिनके हृदय सच्चे और ईमानदार हैं, चाहे वह लोग किसी भी देश और किसी भी विश्वास को मानने वाले क्यों ना हो।

107 मेरा विचार है आज प्रात: बीस या तीस लोगों ने अपने हाथ तेरी ओर उठाएं हैं, हम उनके लिए तेरा धन्यवाद देते हैं। और मेरी प्रार्थना है, परमेश्वर, कि ठीक इसी समय, वह महान अविनाशी अनंत प्रकाश उनके प्राणों में भर दिया जाये, ताकि उनको वैसी शांति मिल सके जिसकी चाह में और खोज में, वे गिरजो में भटकते रहे और—और बहुत सी प्रथाओं को मानते रहे है। मगर अब काश पवित्र आत्मा का प्रकाश ऊपर चमक सके।

108 जैसे यशायाह कहता है, "जो लोग घोर अंधकार में थे, उन पर बड़ी महान ज्योति की चमक होने दे।" प्रभु, इस विनती को ग्रहण कर, बाकी यह भविष्यवाणी आज लोगों के लिए पूरी हो सके जो आपकी लालसा रखते हैं। इनको ऐसी शांति दे जो समझ से बाहर है, और उनको यह पूर्ण संतुष्टि मिल सके कि वे आपसे मिले हैं उन्होंने आपसे बातें करी है, और उन्होंने जीवन आपको समर्पित कर दिए हैं, सारे टूटे हुए; आप अपने सोने, मूर और लोबान के द्वारा, उन्हें चंगा कर सके इन लोगों को अपनी महिमा के लिए, आधार के पात्र बना लीजिए। प्रभु, इस प्रार्थना को ग्रहण करिए।

109 और अब बीमारी और दुर्बल लोगों की चंगाई के लिए तूने हमें आज्ञा दी है, कि हमें उन पर हाथ रखकर प्रार्थना करनी चाहिए। और इस धरती पर आपके अमूल्य मुंह से अंतिम शब्द यही निकले थे, "कि तुम सारे जगत में जाकर सुसमाचार प्रचार करो। और विश्वास करने वालों में यह चिन्ह होंगे; कि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे तो वे चंगे हो जाएंगे।"

110 हम एक प्यारी सी छोटी लड़की के बारे में जानते हैं, जो ठीक इस समय यहां है, और एक प्रियजन के द्वारा फ्लोरिडा से हवाई जहाज के द्वारा यहां लाई गई है, और जो बहुत गंभीर रूप से बीमार है। प्रभु इसके लिए तेरे बहुत से सेवकों ने तुझे प्रार्थनाएं करी है। और—और बहुत से चिकित्सकों ने उसे देखकर निराशा में गर्दन हिलाते हुए कहा है, "कि अब और कुछ भी नहीं किया जा सकता है।" मगर मुझे बहुत खुशी है कि बच्ची की मां, और

अन्य लोगों ने उस निराशाजनक उत्तर को स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने यह देखने के लिए ठान लिया है कि हर एक पत्थर लुढ़का हुआ है। अगर उनका पक्ष जीवित परमेश्वर ले लेगा, तो उनकी वह प्यारी बच्ची फिर से स्वस्थ होकर, और जी सकेंगी। हे प्रभु, मेरी इस विनती को स्वीकार कर ले और इसके विषय में दूसरे सभी जो यहां बैठे निवेदन कर रहे हैं।

111 यहाँ ऐसे बहुत से बीमार लोग बैठे है, जो उठ खड़े होकर आज सुबह उन ज्योतिष्यों की भांति गवाही दे सकते हैं कि, "हमने पूर्व में उसका तारा देखा है।" बहुत से खड़े होकर यूं कह सकेंगे कि, "हमने उसकी भलाई को जाना और उसकी चंगा करने वाली सामर्थ को अनुभव किया है," उनके शरीरों से लंगड़ापन, कैंसर, अंधापन और सभी प्रकार की बीमारियां दूर करी गई है। और प्रभु, हम सारे देशों में अपनी ऊंची आवाज से तेरी जय जयकार स्तुति और प्रशंसा करते हैं।

112 होने दे कि आज सुबह तेरे यह बच्चे जो अभी यहां है, तेरी आशीषो के सहभागी हो सके। तेरा सेवक होने के नाते अपने कर्तव्य का निर्वाह करते हुए जब हम उन पर हाथ रखते और प्रार्थना करते हैं, तो होने दे कि वह चंगे किए जाए, उन्हें तेरे पुत्र प्रभु यीशु के नाम में चंगाई दे, जिसने कहा था कि, "मेरे नाम से पिता से जो कुछ तुम मांगोगे, मैं तुम्हें दूंगा।" अगर परमेश्वर ने ऐसा कहा है, तो हम इस पर संदेह कैसे कर सकते हैं? यह वैसे ही सत्य है जैसे कि दानिय्येल की भविष्यवाणियां सत्य पूरी हुई थी, वैसे ही सत्य है जैसे परमेश्वर का होना, और प्रत्येक वचन को पूरा होना है। मेरी प्रार्थना है कि यीशु मसीह की महिमा के लिए इस विनती को स्वीकार कर। आमीन।

113 विश्वास है यह मेरा दीन विश्वास है, और मेरे हृदय की निष्ठा और सच्चाई है, कि उन स्त्री और पुरुषों ने जिन्होंने अपने हाथों को उठाकर प्रभु यीशु को मुक्तिदाता ग्रहण किया है... मैं जानता हूं कि लोगों को परमेश्वर के सामने वेदी पर लाना एक चलन और रीति है। यह ठीक है। मेरे पास इसके विरोध में कुछ भी नहीं है। मगर यहां वेदी पर आकर आप बस एक बात कर सकते हैं, कि आप परमेश्वर से कहें कि उसका धन्यवाद हो उसने आपको बचा लिया है। क्योंकि उसी क्षण जिस क्षण आप ऐसा हृदय से कहते हैं और अपने हाथ उठाते हैं, तो परमेश्वर आपकी गवाही पर आपको तुरंत अपना लेता है। आप जमीन की आकर्षण शक्ति के नियम को झुठलाकर आप हाथ ऊपर उठाते हैं, ठीक वैसे ही जैसे उस तारे ने सौरमंडल के नियमों को

तोड़कर खुद को जाहिर किया था।

114 सौरमंडल का काम एक क्रम में चलता है। और उसी रीति से उसे चलना है। लेकिन इस सितारे ने सारे नियम तोड़ दिए थे, क्योंकि उसको परमेश्वर चल रहा था।

115 आज नियमित क्रम कहता है कि आप में से बहुतों को मर जाना चाहिए। डॉक्टर जो कुछ कर सकता था वह उसने करके देख लिया है। यह एक ठीक बात है। मगर जीवते परमेश्वर का आत्मा इस बात को झुठलाकर कहता है कि, "मैं तुम्हें इस बीमारी से बचा लूंगा।" हो सकता कि ऐसा एक क्षण में ना हो। उन लोगों ने ऐसा माना, जैसे उसे देख लिया हो जबकि वह उसे समय तक दिखाई ना दिया था। अब्राहम को एक वायदा दिया गया था, और उसके पूरा होने के लिए उसने पच्चीस वर्षों तक इंतजार करा, तब वह पूरा हुआ, मगर अब्राहम का विश्वास आगे बढ़ता रहा और प्रत्येक उस बात को नकारता रहा जो उस वायदे के विरुद्ध थी।

116 मैं आज क्रिसमस की पूर्व संध्या में यहां खड़े होकर इस छोटे से झुंड से यह सब बातें नहीं कहूंगा यदि मैं नहीं जानता कि मैं किस विषय में बोल रहा हूं।

117 कल की बात है वह महिला अब यहां बैठी होगी, उसका नाम श्रीमती राइट है। श्रीमती राइट, क्या आप यहाँ है, वे न्यू अलबेनी से आई है? वो न्यू अलबेनी की एक मशहूर महिला है। मैं सोचता हूं कि आप में से बहुत से उनसे परिचित होंगे। पिछली चगाई सभा यहाँ हुई थी, कहाँ... मुझे याद नहीं है; तब मैं हृदय के गुप्त भेद प्रकट करने की अभिषिक्त स्थिति में था। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

118 अगले रात रविवार प्रभु चाहेगा, तो हम कोशिश करेंगे, कि हृदय की गुप्त बातें हमें बताएं। हम ऐसा रविवार प्रातः नहीं कर सकते, पिछले सप्ताह रविवार प्रातः आपने देखा था, कि क्या हुआ था। देखो, क्योंकि लोग रविवार प्रातः आकर लाइन में नहीं खड़े हो पाए, और आदि, क्योंकि आप लोगों को घर पर बर्तन आदि धोने होते हैं, तथा अन्य काम करना होता है। मगर रविवार की रात, शायद आगामी रविवार रात हम प्रभु चाहेगा, तो हम मनों के गुप्त भेद प्रकट करने की चेष्टा करेंगे।

119 जब हृदयों की गुप्त बातें प्रकट करी जा रही थी, तब की एक घटना मैं आपको बता रहा हूं, जो कि श्रीमती राइट से संबंधित है।

120 वह यहाँ नहीं आ सकी थी। न्यू अलबेनी के चिकत्सक, मैं उनका नाम ले सकता हूं, लेकिन ऐसा करना बुद्धिमानी नहीं होगी, क्योंकि कई बार भी नहीं चाहते कि उनका नाम लिया जाए। जहां तक संभव हो, हम सब के संग शांति से रहना चाहते हैं।

121 और हम अपने चिकत्सको को प्यार करते है। शायद बहुत से चिकत्सक आज प्रात: बैठे है। मेरे बहुत से मित्र डॉक्टर हैं, जो बहुत भले मनुष्य है, अच्छे मसीही लोग हैं जो परमेश्वर पर भरोसा रखते हैं। वे केवल मनुष्य है और चंगाई देने वाले वे लोग नहीं है। जो कुछ वह कर सकते हैं, जो वे शारीरिक रूप से कर सकते हैं। वह प्राकृतिक स्तर पर करते हैं। वे... टूटी हड्डी को यथा स्थान जमाते है; वहां उत्पन्न बाधाओ को दूर करते हैं, या कुछ ऐसा ही करते हैं। मगर कोशिकाओ का निर्माण तो परमेश्वर को ही करना होता है। केवल परमेश्वर ही ऐसा है जो चंगा कर सकता है, या—या तंतुओ को रच सकता है; कोई भी दवाई यह काम नहीं कर सकती।

122 अब, देखिए कि इस महिला के हृदय में जमे हुए लहू का एक धब्बा था। वह साठ के दशक की आयु वाली महिला थी। उनका पूरा शरीर इस तरह से सूजा हुआ दिखाई दे रहा था कि वह असाधारण रूप से मोटी नजर आ रही थी। और उन्होंने मुझे फोन किया और मेरी पत्नी ने मुझे फोन थमाते हुए, कहा कि, "बिली, वे... न्यू अल्बानी से एक महिला तुमसे बात करना चाहती है।"

123 मैंने फोन पर कहा, "ठीक है, बहन आप सुबह यहाँ आ जाइये। हम आज आराधनालय चंगाई सभा करने जा रहे हैं।"

124 उन्होंने जवाब दिया, "मेरे प्यारे," उसने कहा, "भाई काश मैं उसे लेकर वहां आ सकती, वह तो हिल डुल भी नहीं पा रही है।" कहा, "वह बस मरने वाली है।" और कहा, "उसके बचने की कोई आशा नहीं है।" और कहा, "आपकी प्रार्थनाओं के द्वारा परमेश्वर ने जो महान काम किए हैं हमने उनके बारे में सुना है। आप उसके लिए प्रार्थना नहीं करेंगे? क्या आप आएंगे? "

125 मैंने कहा, "मैं नहीं आ सकता। मगर क्या आप फोन का चौगा उसके कानों तक ले जा सकती हैं? "

126 उन्होंने कहा, "ठीक है मैं उसका पलंग सरका देती हूं।" उन्होंने उसका पलंग सरकाकर, फोन उसे दिया; वह मुश्किल से ही बोल पा रही थी।

127 मैंने कहा, "अगर तुम विश्वास कर सको!" विश्वास आशा की वस्तुओं का निश्चय और अनदेखी वस्तुओं का प्रमाण है। यह नहीं कि आप क्या सोचते हैं; वरन विश्वास वह है जो आप जानते हैं कि वैसा ही है। विश्वास है...

128 मैंने उस इतवार को कहा, "कि अगर मैं भूख से मर रहा हूं, और मैंने माँगा... " तो रोटी का एक टुकड़ा मेरा जीवन बचा सकेगा, और अगर आप मुझे पच्चीस सेंट दे दे; तो मुझे उतना ही आनंद प्राप्त होगा जितना रोटी को पाकर होता, क्योंकि उस पैसे से काफी रोटियां खरीद सकता हूं।

129 और इसी प्रकार विश्वास के द्वारा चंगाई की पर्याप्त सामर्थ है। "अगर आप विश्वास कर सके," यही आपके पच्चीस सेंट है; मैं इनसे आनंदित हो सकता हूं। क्योंकि, हो सकता है रोटी मुझे दस मील दूर हो, मगर, अब मेरे पास पच्चीस सेंट है, विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का निश्चिय है। मैं उन पच्चीस सेंट को पाकर उतना ही प्रसन्न हूं, मानो रोटी खा रहा हूं, माना रोटी पाने के लिए मुझे काफी दूर जाना है; मुझे कांटो कटीले खुरदरे पथ से पहाड़ी के पार जाना है, हो सकता है पांव में छाले पड़ जाए, और नीचे की ओर से होते हुए, और ऊपर पहाड़ी के ऊपर से होते हुए। और मुझे पहले से अधिक भूख लगाए, जब तक मुझे ऐंठन ना हो जाए; मुझे बहुत भूख लगी हो। मगर मैं उसे सारे समय प्रसन्न रहूंगा, क्योंकि, पच्चीस सेंट मेरे हाथ में है, रोटियों को खरीदने के लिए, कोई बात नहीं कि हालात क्या है।

130 अब्राहम पच्चीस वर्ष तक आनंदित रहा, विश्वास को थामे ह्रदय में थामे हुए कि परमेश्वर ने जो वादा किया है उसे पूरा करने में वो सामर्थी है। और जो उसने मांगा उसे मिला।

131 प्रिय प्यारी बहन, वहाँ। परवाह नहीं कि स्थिति, चाहे जो भी हो उस विश्वास को, एफ–ए–आई–टी–एच, उन पच्चीस सेंट को ग्रहण करिए। इसे ह्रदय में अपने हाथों में थामे रहिये और, कहिये, "कोई परवाह नहीं चाहे जो भी हो... " अब देखिये अब वास्तव में आपको विश्वास करना है। केवल कहने भर के विश्वास से काम नहीं चलेगा। "मेरा बच्चा जीवित रहेगा क्योंकि मेरे ह्रदय में... परमेश्वर का वायदा है, और मैं उस पर विश्वास करती हूं।" और इसके बाद सब कुछ सारी दशाये नकारत्मक बन जाएगी। समझे? परमेश्वर तब आपके लिए सब विपरीत स्थितियों बदलकर एक—एक सच्चे

परिवेश को पैदा करेगा।

132 उस महिला ने कल मुझे फोन पर बुलाया था। वहां कुछ लोगों ने फोन उठाकर उसे बातें करी; मगर वो सुनने को तैयार नहीं थी। मेरी पत्नी ने फोन उठाया; मगर उसने एक ना मानी। वो मुझे ही बात करना चाहती थी। उसने कहा, "भाई ब्रंहम, मैं आपके नाम की प्रशंसा कर रही हूं।"

मैंने कहा, "मेरे नाम की? किसलिए आप ऐसा कर रही है? "

उसने कहा, "ओह, यदि आप मुझसे मिल सकते तो बताती!"

मैंने कहा, "तब परमेश्वर की प्रशंसा करिए, वही है जिसने चंगा किया है।"

133 उसने बताया, "अब वहां डॉक्टरो को भी लहू का एक दब्बा तक नहीं मिला है। वह जमा खून वहां से गायब हो चुका है। मैं अब सामान्य हूं, और बड़ी अच्छी तरह से चल–फिर रही हूं, बिल्कुल स्वस्थ हूं उतना जितना मैं पिछले वर्षो में भी नहीं थी।" उनका नाम श्रीमती राइट है। वह अब जीवित है... उन्होंने मुझे अपने नाम का पहला शब्द बताया था। वह न्यू अल्बनी में कहीं रहती है, जगह मुझे इस समय याद नहीं आ रही।

134 एक सप्ताह पूर्व की विगत रविवार, ह्रदयों की गुप्त बातें प्रकट करी जा रही थी, मैं यहाँ खड़ा था, मैंने कहा कि, "मैं नहीं चाहता कि आराधनालय का कोई व्यक्ति सामने आए। वरन मैं चाहता हूं कि जो इस आराधनालय का ना हो वह आये। और पवित्र आत्मा उसके बारे में बताएं।" मगर किसी तरह से, पीछे की ओर, एक तरफ या दूसरी तरफ, एक छोटा कद का व्यक्ति बैठा था जिनका नाम हिकरसन था, हम सभी भाई हिकरसन से परिचित है। परमेश्वर के अनुग्रह के वास्तविक विजय स्मृति चिन्ह है। और वे किन्ही लोगो के बीच छिप गये। मैं उन्हें जानता भी नहीं था। मगर पवित्र आत्मा ने पहले से सब कुछ ठहरा रखा था। वे किसी मनुष्य की बाहों के बीच से झांक रहे थे, और पीछे की ओर बैठे थे, और मैं नहीं जानता था कि वह कौन है।

135 और मैंने कहा, "वे सज्जन, जो उसे मनुष्य की बाहों के बीच से मेरी ओर देख रहे हैं। वह अपने किसी प्रियजन के बारे में सोच रहे हैं, प्रार्थना कर रहे हैं, मैं सोचता हूं अपने बहनोंई या किसी ऐसे ही भाई के लिए, जो मानसिक अस्पताल में भर्ती है; उनका दिमाग ख़राब हो गया है, और कभी ठीक होने की कोई आशा नहीं दिखाई दे रही है।" और पवित्र आत्मा ने

कहा, "**यहोवा यों फरमाता है**। कि वह चंगा हो जाएगा।" और इस भाई ने इसका विश्वास किया, फिर भी मुझे इसके काफी दिनों के बाद भी इस बारे में कुछ पता न था।

136 और कल उन लोगों ने उन्हें मानसिक चिकित्सालय से छुट्टी दे दी जो की केंटकी में स्थित है, "और वह अब पूर्ण रूप से, स्वस्थ है।" और हमारे मेथोडिस्ट प्रचारक भाई, कोलिन्स भी, परमेश्वर के अनुग्रह का एक और विजय प्रतीक है। वह भी आज सुबह क्या होंगे। वे दोनों, बाकी के सब भी, यहां ही होंगे। वे भाई पामर के साथ जॉर्जिया से, जो कल रात मेरे घर आए थे, और वह कह रहे थे कि वह लड़का लुइसविले जाते समय, उनसे मिला था, जब उसे मस्तिष्क के अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। वह बचाया जा चुका है, और अब अपनी सब करी गई गलतियों का प्रायश्चित कर रहा है वह परमेश्वर के अनुग्रह की; विजय स्मृति चिन्ह है। परमेश्वर के अविनाशी अनुग्रह का विजय प्रतीक है!

137 वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। शत्रु को कभी भी अपने को धोखा ना देने दो। वहां एक अविनाशी प्रकाश चमक रहा है; वह अविनाशी प्रकाश, परमेश्वर का पुत्र यीशु मसीह है। उस पर विश्वास करिए। उसे अपने हृदय में बसा लीजिए। उसे विश्वास जान करके ग्रहण करिए।

138 हम प्रार्थना करें आप देखिये, आप पर हाथ रखकर तेल से अभिषिक्त करके प्रार्थना करी जाती है, तब आप प्रतीक्षा करिए कि परमेश्वर क्या करेगा, परवाह मत करिए चाहे कोई भी हालत क्यों न हो।

139 यीशु ने मरकुस 11:24 में कहा, उसने कहा, "अगर तुम इस पहाड़ से कहो, 'कि उखड़ कर समुद्र में जा पड़े,' और मन में संदेह न करो, वरन विश्वास करो कि जो तुमने कहा है वह हो जाएगा, तो वैसा ही हो जाएगा।"

140 अब मैं मूल ग्रीक शब्द का शब्दकोष का अर्थ बताता हूं। उसके आधार पर यूं कहा जाएगा। "अगर तू इस पहाड़ से कहे कि, 'तू और तू उखड़कर समुंद्र में जा पड़े,' और अपने मन में संदेह न करें, वरन विश्वास करें कि जो तूमने कहा है वह पूरा होगा, तो वैसा ही हो जाएगा।"

141 जब आपने कहा, "पहाड़ यहां से उखड़ कर जा," और वह फिर भी वहां खड़ा रहे, तो आप कहेंगे, कि, "तो, वैसा नहीं हुआ"? ओह, मगर वैसा हुआ है। जब आपने कहा कि, "पहाड, उखड़ जा," हो सकता है एक छोटा सा कंकड या मिट्टी का जरा सा कण, उस मिट्टी के लाखो, करोडो

टन मिट्टी में से अलग हो गया हो। चाहे एक छोटा सा टुकड़ा ही हिला हो, मगर उसके उखड़ने की प्रक्रिया तो शुरू हो चुकी है। उसी विश्वास को थामे रहिये और उस पहाड़ को टलते और गायब होते देखिये। निश्चित रूप से ऐसा ही होगा।

142 आप अपने हृदय में कहना, "बीमारी, मेरे बच्चे में से निकल जा। बीमारी मेरे लड़के में से प्रभु यीशु के नाम से निकल जा," और आप संदेह मत करना। ठीक उसी समय अच्छे कीटाणु नया कवच और नया अस्त्र लेकर उठ खड़े होंगे, और बीमारी वाले कीटाणु पीछे हटने लगेंगे। वह हार चूका है क्योंकि मसीह ने अपने मुंह का कडवा घूंट पीकर, शैतान और सारी शक्तियों को हरा दिया है। और शैतान की हर बात हर शक्ति उससे अलग करी जा चुकी है, अब कुछ नहीं मगर एक झूठ मात्र है; वह झूठ के आसरे ही चल रहा है, और वह ऐसा ही करेगा।

143 जब तक प्रभु ना आए, परमेश्वर के अनुग्रह से, हम उसके सुसमाचार प्रचार करने और उसके प्रकाश को चमकाने के लिए पक्का इरादा किए हैं।

144 अब, प्रभु, बाकी काम आपका है। अब हम लोगो को बुलायेंगे, तो आपका पवित्र आत्मा यहां इस छोटे से आराधनालय लेने आए और प्रत्येक हृदय में विश्वास पैदा कर दे, जब वे खड़े होते हैं और जबकि वे प्रार्थना के लिए यहाँ आते हैं। काश ये लोग यहाँ से जाने के बाद वैसे ही करे जैसे वे मजूसी; भटकने के अँधेरे समय के बाद, उन्होंने फिर से उस सितारे को देखा था, वे बड़े आनंद से आनन्दित हुए; और होने दे कि जब यह लोग अभिषिक्त किये जाए और इनके लिए प्रार्थना हो चुके तो यह भी आनंदित हो। सुसमाचार में याकूब ने कहा है कि "कलीसिया के प्रचीनों को बुलाकर, बीमारों पर तेल मलकर प्रार्थना करो। विश्वास सहित प्रार्थना से बीमार चंगे हो जाएंगे।" काश लोग अति आनंदित होकर जाएं, और जान सके कि परमेश्वर का अपना विश्वास उनके हृदय में आ चुका है, और जो कुछ उन्होंने मांगा है वह मिल चुका है।

145 अब, हे पिता, आपने अपना कार्य कर दिया है। केवल लोगों के ऊपर हाथ रखने की अतिरिक्त जो कुछ मैं जानता था वह सब मैंने कर दिया है। अब बाकी बात लोगों पर निर्भर करती है। काश वे असफल ना हो। अब जबकि बीमारों को अभिषिक्त किया जाता है, तो आज प्रातः परमेश्वर की उस अविनाशी घड़ी का प्रत्येक पहिया सिद्ध रूप में कार्य करें। यीशु मसीह

की खातिर उसी के नाम में इस प्रार्थना को मांगते हैं। आमीन।

यदि आप कर सकते हैं:

केवल विश्वास करें, बस केवल विश्वास करें,
सारी बातें संभव है, केवल...

146 इस तरह से इस गाने के द्वारा मुझे कुछ होने लगता है! जब मैं वचन सुनाने खड़ा हो रहा होता हूं, तो अनेकों सैकड़ो भाषाओं में मूर्तिपूजको से जंगली जाति वालों से मैंने यह गीत सुना है।

147 इसी महिला ने, इसी पियानो पर, जहां तक मुझे याद है यह गाना मुझे सिखाया था, लगभग ग्यारह साल पहले, जब मैंने सेवकाई का पद त्यागा नहीं था। मेरे मित्र, पॉल रेडर ने यह गीत लिखा था।

148 यीशु, जब पहाड़ से उतर कर आया, तो उसे एक लड़का मिला जो मिर्गी की बीमारी से ग्रसित था। चेले उसे ठीक नहीं कर सके थे। उस व्यक्ति ने कहा, "प्रभु, मेरे बच्चे पर दया कर।"

149 यीशु ने कहा, "अगर तू विश्वास करे, तो मैं चंगा कर सकता हूं, क्योंकि विश्वास करने वाले के लिए सब कुछ संभव है।" यही से पौलुस ने विश्वास पर वह लेख लिखा।

... केवल विश्वास करो;
केवल...

150 अब अपनी बीमारी को ना देखें।

... केवल विश्वास करो,

क्या आप यह नहीं कर सकते?

सारी बातें संभव है, केवल...

151 बस याद रखिये, वो यहाँ खड़ा है। वो बहुत प्यारा है। उसने इसकी प्रतिज्ञा की है। कैसे वह अपना प्रकाश चमका रहा है; दूसरों को देखिये जो चंगे हो चुके है। यक़ीनन आप भी हो सकते हैं। "मेरी ओर देखिये," मैं अँधा था अब देखता हूं। दूसरों को देखिये, ओह, प्रभु ने कैसे–कैसे अद्भुत काम किये है!

... संभव है,

152 कितने लोग विश्वास करते है कि ठीक इस समय उनके मन में ऐसा भरोसा है कि वे कह सके कि, "मुझे विश्वास है कि यह हो चूका है मुझे विश्वास है। मैं ठीक इसी समय उसे ग्रहण कर सकता हूं। मुझे विश्वास है कि मैं चंगा हो जाऊंगा। कोई परवाह नहीं की स्थिति क्या बनती है, मैं तो बीमारी के इस पहाड़ से कह रहा हूं कि, 'तू मुझे या मेरे प्रिय जन को छोड़कर चला जा या हट जा, या जो भी है।' और मुझे विश्वास है कि ऐसा ही होगा"?

153 फिर देखिए की क्या होता है। वह बीमारी जाने लगेगी समाप्त होना शुरू हो जाएगी। यह हिलना आरंभ हो जाएगा। पहली चीज आप जानते हैं, क्या होगी यह होगी कि डॉक्टर पूछेगा, "यहां क्या हो गया? " यह बात ठीक है, अगर आप विश्वास कर सके।

154 भाई नेविल, क्या आप आएंगे? अब वे जो यहाँ *इस* बालकनी में है, *इस* ओर आकर खड़े हो जाए। और जो *इस* ओर की बालकनी में है, वे ठीक पीछे जाकर घूमकर, उनके पीछे आकर खड़े हो जाए, ताकि बस एक पंक्ति बन सके। जब इनके लिए प्रार्थना करी जाती है, तब कलीसिया के बुजुर्ग एल्डर आकर उनके संग खड़े हो जाए।

155 अब, हम इस छोटी बच्ची के लिए प्रार्थना करने उसके पास जायेंगे जो वहां लेटी है। हम ठीक उस तक जाएंगे जहां वह है।

156 मैं उन लोगों को चाहता हूं जो... जिन और लोगो के लिए प्रार्थना होनी है, वे इस ओर इधर से जाए। अब मैं चाहता हूं कि हर कोई प्रार्थना करे। आप इस करी जा रही प्रार्थना के एक भाग है। आप सभी इसके लिए प्रार्थना करें वहां जो सेवक खड़े है वे आपका मार्गदर्शन करेंगे कि अब आपको पंक्ति में खड़े होना है।

सारी बातें संभव है, केवल विश्वास करों।

डरो मत, छोटे झुंड, क्रूस से लेकर सिंहासन तक,
मृत्यु से जीवन के अंदर वह उसके अपनों के लिए चला गया;
धरती की सारी सामर्थ, सारी सामर्थ ऊपर की,
उसे उसके प्रेम के झुंड के लिए दी गयी है।

एक क्रिसमस का तारा क्या कहता है?

केवल विश्वास करो, केवल विश्वास करों,
सारी बातें संभव है, केवल विश्वास करो;
केवल विश्वास करो, केवल विश्वास करो,
सारी बातें संभव है, केवल विश्वास करों।

157 मेरे प्रिय मित्रों, बहुत से लोग अब आपके लिए प्रार्थना कर रहे हैं; बहुत से भले पुरुष और भली स्त्री, संत, धर्मी पुरुष और स्त्री।

158 मेरे भाई नेविल मेरे साथ खड़े हैं, जिन्हें मैं वर्षों से जानता हूं, कि वह धार्मिक सज्जन है। शहर से बाहर के जो लोग यहां आते हैं, वे मुझे फोन करके कहते हैं कि, कहा, "वह जो आपके पादरी है, वे कौन है? मुझे उनका पता बताइए; मैं उन्हें पत्र लिखना चाहता हूं। वे भले निष्ठावान और वफादार मसीह लगते है।" मुझे बहुत ख़ुशी है कि मैं कह सकता हूं कि, "भाई नेविल अत्यंत धार्मिक व्यक्तियों में से एक है जिन्हें मैं जानता हूं।" जो कुछ वह प्रचार करते और कहते हैं उसे ही जीते हैं या जीवन में उतारते हैं। उनके हाथों में अभिषिक्त करने वाला तेल का पात्र है।

परमेश्वर के हाथ में सामर्थ है।

159 क्या आपका हृदय में विश्वास है? यदि है, तो वैसा ही होना है। यहां पर धार्मिक जन, या सेवक खड़े हैं, जो आपके लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं। अब कुछ घटित होने वाला है।

160 कोई आपको यहाँ इतनी दूर तक लेकर आया है; यह सितारा था, अब, वो तारा, भोर का तारा। अब उस अविनाशी अनंत ज्योति को ग्रहण कीजिए। हम इस ओर से शुरू करेंगे, जैसे कि मानो बप्तिस्में दे रहे हो, देखो। "बिमारो को तेल से अभिषिक्त करे, प्रार्थना करे; विश्वास की प्रार्थना से रोगी बच जायेगा।"

161 यीशु ने अपनी कलीसिया से अंतिम शब्द ये कहे थे, "विश्वास करने वालों में चिन्ह होंगे; वे बीमारी पर हाथ रखेंगे, और बीमार चंगे हो जाएंगे।" दुसरे शब्दों में, मैं यह कहूंगा, आपके शब्दों में ऐसा कहा जाएगा, "जहां कहीं ये यह सुसमाचार प्रचार किया जाता है, दुनिया में कहीं भी, मेरे दास बीमारों पर हाथ रखेंगे, और बीमार चंगे हो जाएंगे।" ठीक है। समझे?

162 अब केवल एक बात की निंदा करनी है उसे नकारना है, और वह है अविश्वास। अब देखिये, किसी के... हाथ रखने में चंगाई नहीं है अगर— अगर मैं... या कोई मेरा भाई सुसमाचार प्रचार करने के योग्य नहीं है; जो

कि हम है ही नहीं, यह तो उसका अनुग्रह है। मगर, इससे तो कुछ अन्तर ही नहीं पड़ता कि हम कैसे हैं, बात तो उसके वचन की है। उसको, वो हमारे ऊपर निर्भर नहीं होना है, वह तो अपने इस वचन से काम करता है कि, "अगर तू विश्वास करें।"

163 अब कितने लोग वहां पर इन बीमारों के लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं? कृपया हाथ उठाईये। मैं चाहता हूं कि आप लोग उस ओर ध्यान लगाइए। जिधर आपके लिए प्रार्थनाये भेजी जा रही है, अब स्वर्ग की ओर। जबकि भाई नेविल बिमारो पर तेल मल रहे है, हर कोई सर झुकाए और उनके लिए प्रार्थना करें।

164 एक मिनट रुकिये अब, यह सभा इन बीमारों के लिए प्रार्थना करेगी।

165 हे करुणादायक परमेश्वर, प्रभु अब हम अपने सेवक होने के कर्तव्य को पूरा करते है। प्रभु, इसमें संदेह नहीं कि यहाँ इस पंक्ति में बहुत से लोग, बहुत अधिक बीमार हैं। उनमें से कुछ तो मृत प्रायः हैं। और उनमें से कुछ रोगी कुर्सी पर ही बैठे हैं। उदाहरण के लिए, फ़्लोरिडा से आई वह छोटी बालिका यहाँ बहुत से आये है। जो जोर्जिया और दूसरे स्थानों से हैं और कुछ इंडियानापोलिस से, और कुछ वहां ओहियो से आये है, वे इस प्रातः इस छोटे से झुण्ड में बैठे है, वे होटलों और आदि में ठहरे हुए है, कि यह समय आए जब उनके लिए प्रार्थना करी जाए। यह लोग सभा में मौजूद रहे हैं। और इन्होंने तेरे हाथ को लोगों तक पहुंचते हैं, उन्हें चंगा करते देखा है। और प्रभु, ठीक अभी... यह सांता क्लॉस की गढ़ी हुई कहानी हटाकर इन लोगों को असली क्रिसमस उपहार दीजिए। प्रभु, इनको इसी समय अच्छा स्वास्थ्य दीजिए, क्योंकि यह लोग विश्वास करते हुए आपके पास आए हैं।

166 और हम आ रहे हैं, हम स्वर्ग के प्रभु परमेश्वर और इन लोगों के बीच में खड़े हैं, कि उनके लिए बिचवाई करे, कि हम उनके लिए प्रार्थना निवेदन करें अपनी आवाज में विनती करें। होने दे प्रभु, कि विश्वास को ग्रहण करने में इनमें से एक भी जन ना चुके।

167 हमें मालूम है कि वचन ऐसा कहता है। हमें पता है कि हम वचन पर विश्वास करते हैं। अब, प्रभु, होने दे कि वे उसके मिलने में विश्वास कर सके इन्होंने जो चाहा है और उसे पा सके। अब हम मसीह के राजदूत बनकर, इस पूरी कलीसिया रूपी देह सहित, इनके लिए एक मत होकर प्रार्थना कर रहे हैं कि यह चंगाई पाए। होने दे कि ऐसा ही हो। काश जब

यह यहाँ से जाए, तो अत्यंत आनंद मनाते जाएं क्योंकि वो—वो भोर का प्रकाश हम पर चमका है। स्वर्ग की महान चकाचौंध वाली प्रकाश धाराओ ने हमारा मार्ग हमें दिखाया है, और हम जीवते प्रभु यीशु को उसकी महिमा और सामर्थ में देख रहे हैं। आमीन।

168 जब यह बालिका जब तेल से अभिषिक्त करी जा रही है, तो प्रभु यीशु के नाम में, हम इस पर हाथ रखकर, प्रार्थना करते हैं कि सर्वशक्तिमान परमेश्वर के हाथ से इसकी बीमारी जाती रहे, और यह चंगी हो जाए, यीशु के नाम में। आमीन।

169 परमेश्वर आपको आशीष दे। जाइये और जाकर, प्रभु यीशु के नाम में चंगाई ग्रहण करिए।

170 क्योंकि तेल द्वारा इन्हें अभिषेक किया गया है, प्रभु यीशु के नाम में हम प्रार्थना करते हैं कि इन सज्जन के मन की इच्छा पूरी करी जाए, प्रभु यीशु के नाम में। आमीन।

171 तेल द्वारा अभिषिक्त, इस भाई के ऊपर हाथ रखकर, यीशु मसीह के नाम में प्रार्थना करते हैं...

57–1222 प्रकाशित महान ज्योति
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org